प्रदेश को मिले 17 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

विदेशी कंपनियों खास तौर पर अमेरिकी कंपनियां निवेश के लिए यूपी में खासी दिलचस्पी दिखा रही हैं। 40 से अधिक विदेशी कंपनियों ने 17 हजार करोड़ का निवेश करने का प्रस्ताव किया।

इनमें से अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी माइक्रोसॉफ्ट, पेप्सिको और एमएक्यू सॉफ्टवेयर ने अपनी यूनिट लगाने के लिए प्रदेश सरकार से जमीन ली है। माइक्रोसॉफ्ट तथा एमएक्यू सॉफ्टवेयर नोएडा में अपनी यूनिट (उद्यम) लगाएंगे। जबकि पेप्सिको मथुरा में अपनी फैक्ट्री में उत्पादन शुरू कर दिया है।

सूबे के कई जिलों में बनेंगे प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क

जिन जिलों में प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने की तैयारी है, उनमें लखनऊ, उन्नाव, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, औरया, हमीरपुर, जालौन,नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ,आजमगढ़, अम्बेडकर नगर, गोरखपुर और प्रयागराज हैं। प्रदेश में पहला एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल पार्क आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे के नजदीक उन्नाव में बनेगा। इस इंडस्ट्रियल पार्क में टेक्सटाइल और रेडीमेड गार्मेंट, फूड प्रोसेसिंग, परफ्यूम, पीतल के उत्पाद, खिलौने तथा इलेक्ट्रानिक्स उपकरण बनाने वाले उद्योग लगाए जा सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा में 26,530 करोड़ रुपए का हुआ निवेशः गौतमबुद्धनगर जिले में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बीते साढ़े चार वर्षों में रिकार्ड तोड़ निवेश आया है। निवेशक 26,530 करोड़ रुपए का निवेश कर ग्रेटर नोएडा में अपनी फैक्ट्री लगा रहे हैं। इन निवेशकों की फैक्ट्रियों में 71,501 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा। ओप्पो और विवो के अलावा हिरानादानी ग्रुप, ड्रीम्सटच इलेक्ट्रानिक्स, इनोक्स एयर, लेमी प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग जैसी कंपनियां भी यहां आ गई हैं।

यूपी में बने उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ीः उत्तर प्रदेश में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई योजनाओं का असर अब दिखने लगा है। कोरोना संकट के दौरान जब दुनियाभर में आर्थिक गतिविधियां ठप हो गई थीं, उस समय भी सूबे में फुटवियर, लेदर, टेक्सटाइल और ग्लासवेयर कारोबारियों के बनाए उत्पादों की विदेशों में खूब मांग हो रही थी।